भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 10.02.2019

# गो संरक्षण केंद्र खोलने को तकनीकी मदद जरूरी

● परंपरागत उपहारों को भेंट करने का रिवाज जीआइ पंजीकृत उत्पादों के आगे हुए महिम

● 2014 में प्रधानमंत्री को सबसे पहले भेंट किया गया था जीआइ उत्पाद, तभी से है जारी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइआइटी के शिक्षकों एवं छात्रों का ऐसी तकनीक बनाने का आह्वान किया, जिससे गांव में ही री-फिलिंग स्टेशन बनाया जा सके। कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा अवैध बूचड़खानों को प्रतिबंधित कराया, तो लोगों ने गोवंश सड़क व खेत में छोड़ दिए। अब सरकार ने इसको पालने के लिए काम शुरू किया है। वैज्ञानिकों से उन्होंने गांव में इन गोवंश को रखकर इनके गोबर और गोमूत्र से ईंधन निर्माण की अपील की। इसके लिए तकनीक को जरूरी बताते हुए युवा इंजीनियरों से चिंतन करने एवं टेक्नोलॉजी विकसित करने को कहा। सीएम ने गांव में 400 से 500 गोवंश को एक स्थान पर रखकर उनके गोबर व मूत्र से नजदीक के गोबर गैस प्लांट से मिथेन एवं कार्बन डाई आक्साइड अलग करके, एलपीजी गैस सिलेंडर की भांति री-फिलिंग के माध्यम से ईंधन के प्रयोग की संभावना तलाशे जाने पर जोर दिया। बताया कि इससे हर गांव में गो-संरक्षण केंद्र खोलने में मदद मिलेगी।

आइआइटी, बीएचयू के शताब्दी समारोह में योगी ने कहा कि काशी की पुरातन संस्कृति व आध्यात्म के साथ देश को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से जोड़ने का केंद्र आइआइटी को बनना होगा। 100 वर्षों से इस परंपरा का बीएचयू ने निर्वाह किया है। इसका श्रेय भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को जाता है। भारत सरकार ने महामना को भारत रत्न देकर बीएचयू से जुड़े हर व्यक्ति समेत पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने सुझाव दिया कि आइआइटी के लगभग 30 हजार पुरा छात्र जो देश-विदेश के कोने-कोने में अपनी योग्यता का परचम लहरा रहे हैं उन्हें प्रत्येक वर्ष संस्थान में आमंत्रित कर काशी और प्रदेश से जोड़ना होगा, ताकि परंपरा के साथ आधुनिकता के सामंजस्य से देश का समुचित विकास हो।

**अस्सी नदी के पुनरुद्धार के लिए पूर्व छात्र ने दिए तीन करोड़** : मुख्यमंत्री और अतिथियों का स्वागत संस्थान के बोर्ड ऑफ गर्वनर के सदस्य और आयोजन समिति के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा ने किया। उन्होंने बताया कि 50 से भी अधिक देशों में हमारे संस्थान के पुरा छात्र हैं। बूएसए की सिलिकॉन वैली में ही संस्थान के दो हजार से अधिक पूर्व छात्र कार्यरत हैं। उन्होंने पुरातन छात्र पंकज चंद्र को अस्सी नदी के पुनरुद्धार के लिए तीन करोड़ की सहायता राशि के लिए धन्यवाद दिया। मल्होत्रा ने संस्थान में बनने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के लिए आगामी उत्कृष्टता केंद्र की जानकारी साझा की।

## मालवीय रक्षा अनुसंधान केंद्र के लिए नोएडा में मिले भूमि

संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन ने राष्ट्र के औद्योगीकरण में संस्थान के योगदान की चर्चा की। बताया कि संस्थान इनोवेशन और बेहतर स्टार्टअप के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करता है। उन्होंने प्रदेश के डिफेंस कॉरीडोर में नॉलेज पार्टनर होने, संचार मंत्रालय के साथ एमओयू और अमेजन एशिया समेत कई और संस्थाओं के साथ आइआइटी के समझौतों के बारे में बताया। साथ ही मुख्यमंत्री से स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए नोएडा में भूमि की मांग की।

## पुस्तिका का मुख्यमंत्री योगी ने किया विमोचन

कार्यक्रम के दौरान शताब्दी समारोह से जुड़ी पुस्तिका 'सोवनियर' का मुख्यमंत्री ने विमोचन किया। धन्यवाद ज्ञापन संसाधन और पुरा छात्र के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर राज्यमंत्री नीलकंठ तिवारी, ग्लोबल एलुमनाई मीट के चेयरमैन नितिन अग्रवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील भाई ओझा, रजिस्ट्रार डा. एसपी माथुर, प्रो. राजीव प्रकाश, प्रो. रॉयना सिंह, प्रो. प्रभाकर सिंह, प्रो. पीके मिश्र, प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव आदि थे।